IJNRD.ORG ISSN : 2456-4184
INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD) | IJNRD.ORG
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

"2025 में भारत और आसियान : एक अवलोकन"

[1]आशिक हुसैन खान

पी–एच.डी. रिसर्च स्कॉलर (राजनीति विज्ञान)
स्कूल ऑफ सोशल साईंसेस, दे.अ.वि.वि. इन्दौर, (म.प्र.)।

[2]डॉ. संजू गांधी

प्राध्यापक (राजनीति विज्ञान),
शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, झाबुआ, (म.प्र.)।

➢ **सारांश :**

भारत–आसियान संबंधों का विकास ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से होकर व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बदल गए हैं। 2025 में व्यापार असंतुलन और रक्षा प्राथमिकताओं में मतभेद जैसी चुनौतियों को दूर करने के प्रयास किये गये है और नए अवसर निर्मित किए है। साथ ही 2025 में भारत और आसियान के सहयोग को मज़बूती प्राप्त हुई है। कनेक्टिविटी अंतराल को कम करना और व्यापार को बढ़ावा देना तथा लोगों के बीच नवाचार, सांस्कृतिक आदान–प्रदान को नए आयाम प्रदान करने के नए सिरे से प्रयास किए गए हैं। 2025 में आसियान के साथ भारत की सक्रिय भागीदारी ने गहरे सहयोग के अवसर प्रदान किए। भारत–आसियान पर्यटन वर्ष, डिजिटल नवाचारों और कनेक्टिविटी से संबंध मज़बूत हुए हैं, साथ ही एफटीए मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा से क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण बढ़ा है।

➢ **शब्द संकेत :** भारत–आसियान, रणनीतिक साझेदारी, व्यापार और वाणिज्य, समुद्री सुरक्षा, मुक्त व्यापार, सांस्कृतिक आदान–प्रदान।

➢ **प्रस्तावना :**

आसियान 10 देशों का समूह है जिसे दक्षिण–पूर्व एशिया के सबसे प्रभावशाली समूहों में से एक माना जाता है। इसमें इण्डोनेशिया, थाईलैंड, वियतनाम, लाओस, ब्रुनई, फिलीपींस, सिंगापुर, कंबोडिया, मलेशिया और म्यांमार शामिल है। आसियान देशों के संदर्भ में भारत की विदेश नीति मुख्य रूप से 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' पर आधारित हैं। यह नीति 1990 के दशक में शुरू हुई 'पूर्व की ओर देखो नीति' का

विकसित रूप है। जिसका लक्ष्य दक्षिण–पूर्व एशिया के साथ आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों को मज़बूत करना है। इस नीति के तहत भारत आसियान के साथ अपनी 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' को गहरा करने पर अपना ध्यान केन्द्रित करता है, जिसमें सड़क और समुद्री मार्ग कनेक्टिविटी को बढ़ावा देना, डिज़िटल व्यापार को सुगम बनाना और हिन्द–प्रशांत क्षेत्र में शांति व स्थिरता बनाए रखने के लिए सहयोग करना शामिल है। आसियान देशों के साथ भारत साझा चिंता के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर मिलकर काम करता है, जैसे कि बहुपक्षवाद को बनाए रखना और अन्तर्राष्ट्रीय कानून का सम्मान करना। भारत और आसियान सदस्य देशों के बीच व्यापार को बढावा देने के लिए मुक्त व्यापार समझौतों पर काम किया जा रहा है। भारत 1992 में आसियान का क्षेत्रीय भागीदार, 1996 में संवाद भागीदार और 2002 में शिखर स्तरीय भागीदार बना। भारत–सिंगापुर लिंकेज (2023) जैसी पहलें आसियान के लिए एक क्षेत्रीय डिज़िटल भुगतान ढांचे की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

➢ आसियान का महत्व :

दक्षिण–पूर्वी एशियाई देशों के द्वारा अर्द्धवार्षिक बैठकें आयोजित की जाती है जिन्हें आसियान शिखर सम्मेलन कहा जाता है। इन शिखर सम्मेलनों में दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों के आर्थिक, राजनैतिक, सुरक्षा और सांस्कृतिक मुद्दों पर चर्चा होती है। 600 मिलियन से अधिक आबादी के साथ आसियान दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाज़ार है, जो यूरोपीय यूनियन और उत्तरी अमेरिकी बाज़ारों से भी बड़ा है। यह एशिया की तीसरी और विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है। एक एकल संगठन के रूप में आसियान का 2022 में 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद हुआ है, तथा यह बढ़कर 2026 में 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार करना संभावित है। भारत का आसियान देशों के साथ संबंध क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने में मदद करता है। आसियान भारत–प्रशांत क्षेत्र में नियम आधारित समुद्री सुरक्षा संरचना को बढ़ावा देने में एक केन्द्रीय भूमिका निभाता है, जो भारत के व्यापार के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत आसियान देशों के साथ सैन्य अभ्यास और खुफिया जानकारी के आदान–प्रदान के माध्यम से रक्षा सहयोग को बढ़ावा देता है। क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने में भारत और आसियान का साझा हित है। आसियान के साथ संपर्क पहल पूर्वोत्तर भारत को क्षेत्रीय व्यापार और वाणिज्य के केन्द्र के रूप में स्थापित करके वहां आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है।

➢ 2025 में भारत और आसियान :

2025 में भारत और आसियान के बीच सहयोग विभिन्न क्षेत्रों में मज़बूत हुआ है। 14 फरवरी 2025 को जकार्ता स्थित आसियान सचिवालय में आसियान–भारत संयुक्त सहयोग समिति की 25वीं बैठक आयोजित हुई, जो भारत और आसियान के बीच निरंतर प्रगाढ़ होते संबंधों को दर्शाती है। यह बैठक कोई अकेली घटना नहीं थी, बल्कि राजनीतिक, आर्थिक सुरक्षा और सांस्कृतिक आयामों तक फैले विकासशील संबंधों की एक लंबी यात्रा में एक मील का पत्थर थी। भारत और आसियान के बीच

साझेदारी, एशिया में शान्ति, समृद्धि और समावेशिता के साझा दृष्टिकोण पर आधारित, क्षेत्रीय संरचना की आधारशिला बन गई है। इस सम्मेलन में एक नए आसियान–भारत कार्य योजना (2026–2030) को अपनाया गया है, जो इस साझेदारी को और अधिक गहरा करेगी। इनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता शासन, साइबर सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन, साथ ही क्षेत्रीय डिज़िटल नीतियों का संरेखण शामिल है। भविष्य की दिशाओं के संबंध में आसियान में फिलीपींस की प्रभारी राजदूत एलिजाबेथ ते ने कहा– ''आसियान–भारत संबंधों का भविष्य हमारी अनुकूलनशीलता और 21वीं सदी की चुनौतियों का समाधान करने के लिए मिलकर काम करने के हमारे साझा दृष्टिकोण पर निर्भर करेगा।''

वर्ष 2025 को आसियान–भारत पर्यटन वर्ष नामित किया गया। गोवा में युवा शिखर सम्मेलन का आयोजन जिसका विषय है– ''युवा जोड़े : भविष्य गढ़ें'' किया गया, 28 अगस्त 2025 को केंद्रीय विदेश एवं वस्त्र राज्य मंत्री श्री पबित्रा मार्गेरिटा ने इस सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। उन्होंने भारत और आसियान समुदाय के दृष्टिकोण 2045 और एशियाई सदी में विकसित भारत के संकल्प के लिए सहयोग बढ़ाने में योगदान देने के लिए युवा नेताओं को आमंत्रित किया। इस कार्यक्रम में भारत, आसियान सदस्य देश और तिमोर तेस्ते के अलावा राजनीति, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, मीडिया और प्रबुद्ध मण्डल जैसे विविध क्षेत्रों के 100 से अधिक युवा नेताओं ने भी भाग लिया। इसका उद्देश्य व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मज़बूत करना करना और दोनों पक्षों के लोगों को लाभ पहुंचाना है। आसियान–भारत युवा शिखर सम्मेलन जहां युवाओं पर तो वहीं आसियान–भारत कलाकार शिविर मंच का आयोजन सांस्कृतिक जुड़ाव पर केन्द्रित है। भारत और आसियान 2025 में मौजुदा मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा पूरी करने पर सहमत हुए हैं, जिसका उद्देश्य इसे और प्रभावी बनाना है। 2025 में मलेशिया उच्चायोग के द्वारा आसियान–भारत फोरम का आयोजन किया गया। इस फोरम का विषय ''समावेशिता और सतत्ता : साथ मिलकर आगे बढ़ें'' था। जिसमें भारत और आसियान के बीच संबंधों को मज़बूत करने पर चर्चा की गई। 2025 में आसियान–भारत कूज वार्ता का आयोजन भी कूज परिचालन को बेहतर बनाने और साझेदारी को अनुकूलित करने के लिए किया गया।

आसियान और भारत की साझा संस्कृति धरोहर को बढ़ावा देने में इण्डोनेशिया के रामायण बैले और थाईलैण्ड के अयुत्थाया जैसे कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। तीसरा आसियान–भारत कलाकार शिविर 'रामायण की प्रतिध्वनि : समूचे आसियान और भारत में कलात्मक यात्राएं' विषय पर आयोजित किया गया। इस शिविर का आयोजन शिलांग मेघालय में विदेश मंत्रालय के द्वारा सेहर के सहयोग से किया गया। यह शिविर 'एक्ट ईस्ट नीति' के एक दशक के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। शिविर में 21 दृश्य कलाकारों की कलाकृतियां प्रस्तुत की गई। इसके अलावा आसियान एकीकरण पहल कार्य योजना–IV तथा आसियान कनेक्टिविटी मास्टर प्लान (MPAC) 2025 के माध्यम से नवाचार और सतत् विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। भारत, आसियान के कनेक्टिविटी मास्टर प्लान (MPAC) 2025 के लिए अपना समर्थन बढ़ाने और आसियान स्मार्ट सिटीज़ नेटवर्क (ASCN) के साथ जुड़ने का प्रयास कर रहा है।

➢ निष्कर्ष :

भारत–आसियान संबंध एक्ट ईस्ट और इंडो–पैसिफिक दृष्टिकोण की आधारशिला हैं, जो साझा समृद्धि, रणनीतिक विश्वास और सांस्कृतिक संबंधों पर आधारित हैं। भारत को यह सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना चाहिए कि यह क्षेत्र उसकी रणनीतिक दृष्टि के अनुरूप हो, और उसका समर्थन करें, ना कि आसियान को चीन के साथ जुड़ा मानकर उसे नज़रअंदाज़ किया जाए। भारत को आसियान के साथ कनेक्टिविटी, डिजिटल नवाचार, जलवायु लचीलापन एवं समुद्री सुरक्षा में सहयोग संबंधों को गहरा किया जा सके तथा इस साझेदारी को भविष्य के लिए तैयार, नियम–आधारित व समावेशी क्षेत्रीय संरचना के रूप में विकसित किया जा सके।

2025 में अब भारत–आसियान संबंध क्षेत्रीय जटिलताओं के प्रति सम्मान की विशेषता रखते हैं जो एक परिपक्व और व्यापक साझेदारी में विकसित हो चुके हैं। यह साझेदारी पारस्परिक सम्मान और रणनीतिक हित पर आधारित है। इस साझेदारी ने क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक एकीकरण और समावेशी विकास के लिए ढ़ॉचा प्रदान किया है। यह आवश्यकतानुसार समुद्री सुरक्षा, व्यापार संपर्क और सांस्कृतिक आदान–प्रदान में सवंर्धित सहयोग का आधार बन सकता है। समग्र रूप से यह कहा जा सकता है कि भारत–आसियान साझेदारी एशिया में विकसित हो रही क्षेत्रीय व्यवस्था का आधार बन गई है।

➢ संदर्भ :

01. दृष्टि आईएएस, भारत–आसियान : प्रगति के साझेदार, 29 जनवरी, 2025।

02. दृष्टि आईएएस, भारत–आसियान संबंधों का नया युग, 20 अगस्त, 2025।

03. गुप्ता अंकिता, डिप्लोमेटिस्ट मैग़ज़ीन अंग्रेज़ी संस्करण, 17 जून, 2025।

04. द हिन्दू, समाचार पत्र, 01, जुलाई 2025।

05. भारतीय विदेश मंत्रालय, प्रेस विज्ञप्ति, 08 अप्रैल, 2025।

06. भारतीय विदेश मंत्रालय, प्रेस विज्ञप्ति, 28 अगस्त, 2025।

07. विज़न आईएएस पत्रिका लेख, 10 जुलाई, 2025।

08. आसियान कम्युनिटी विज़न पत्रिका, 2025।

09. पंत पुष्पेश, पाण्डे डॉ. जितेन्द्र कुमार, ''21वीं शताब्दी में अन्तर्राष्ट्रीय संबंध'', मैक्ग्रा हिल एज्युकेशन (इंडिया) प्रा. लि., चैन्नई : 2025।

10. द स्टेट ऑफ साउथ ईस्ट एशिया, सर्वे रिपोर्ट, 2025।

11. मिश्रा राजेश, ''राजनीति विज्ञान एक समग्र अध्ययन'', ऑरियन्ट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद।

12- https://www.sanskritiias.com/hindi/current-affairs/india-asean-to-conclude-fta-review-in-2025

13- https://moderndiplomacy.eu/2025/07/12/asean-summit-2025future-outlook-for-the-region-and-beyond/